Department : HINDI		
Academic Year : 2023-24		
Sr. No.	**Programme Code**	**Name of the Programme**
01.		BA VI SEM

Sr. No.	Name of the Student	Title of the Project / Internship	Page No.
1.	ऋतु कोसरिया	माधवी नाटक में चित्रित स्त्री अस्मिता का स्वरूप	3-6
2.	सौम्या ताम्रकार	त्यागपत्र में अभिव्यक्त स्त्री चेतना	7-10
3.	अमन खटर्जी	निर्मल वर्मा की 'परिंदे' कहानी का विश्लेषण	11-14
4.	प्रीति पटेल	अनामिका की कविताओं में स्त्री अस्मिता का स्वर (समकालीन कविता के संदर्भ में)	15-18
5.	आलोक कुमार साहू	नागार्जुन की काव्य चेतना	19-22
6.	दीप्ति वैष्णव	प्रेमचंद की कहानियों में दलित जीवन दर्शन	23-26
7.	अभिषेक कश्यप	प्रेमचंद का कथा लेखन और निर्मला उपन्यास	27-30
8.	शुभम कुमार	किसान जीवन के संघर्ष और प्रेमचंद की कहानियाँ	31-34
9.	अंकित कुमार तंवर	हिंदी साहित्य का इतिहास	35-38
10.	कबीर शंकर	अंधेर नागरी नाटक का अध्ययन	39-42
11.	सूरज कुमार बंजारा	महाभोज में चित्रित सत्ता का दुष्चक्र	43-46
12.	इंदु देवी	एस आर हरनोट की कहानियों में पहाड़ी जनजीवन	47-49
13.	सुप्रिया कुम्हार	आधे अधूरे नाटक में वर्णित मध्यवर्गीय जीवन का स्वरूप	50-54
14.	विक्रमादित्य	प्रेमचंद के उपन्यासों में सामाजिक चेतना	55-58
15.	प्रिंस वाणी	चंद्रधर शर्मा गूलेरी की कहानियों में अभिव्यक्त प्रेम का समाजशास्त्रीय अध्ययन	59-62
16.	सुमित कुमार ध्रुव	कथाकार प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	63-64
17.	तेजभान	साहित्य और सिनेमा	65-68

18.	जयलक्ष्मी	शृंखला की कड़ियाँ में स्त्री चेतना का स्वर	69-72
19.	त्रिलोक वाणी	आषाढ़ का एक दिन : मंचीय दृष्टिकोण से कितना सफल और कितना असफल	73-76
20.	प्रज्ञा चंद्रा	यही सच है' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ	77-80
21.	प्रियंका	केदारनाथ सिंह की कविता में सामाजिक यथार्थ	81-83
22.	मुस्कान साहू	रहीम का काव्य	84-87
23.	योगिता बैगा	सुमित्रा नंदन पंत के काव्य में समकालीन बोध	88-91
24.	योगेश	प्रेमचंद के उपन्यासों की कथा-भाषा	92-94
25.	वासुदेव सिंह सोरठे	भारतेन्दु हरिश्चंद्र की सामाजिक चेतना	95-98
26.	शशिकांत	उदय प्रकाश की कहानियों में शहरी नरक एवं ग्रामीण संवेदना का यथार्थ	99-102
27.	साक्षी यादव	चित्रलेखा में अभिव्यक्त सामाजिक समस्याएं	103-106
28.	योगेश्वर	उषा प्रियंवदा की कहानियाँ : परंपरा एवं आधुनिकता का द्वन्द्व	107-110

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Signature and Seal of the Head

माधवी नाटक में चित्रित स्त्री अस्मिता का स्वरूप

स्नातक हिन्दी (छठा सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र: 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
ऋतु कोसरिया
स्नातक हिन्दी छठा सेमेस्टर
ना. सं. GGV/21/00217

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
घोषणा-पत्र	2
प्रमाण-पत्र	3
आभार	4
भूमिका	5-6
अध्याय एक : हिन्दी नाटक : उत्पत्ति और विकास	7-13
1.1 हिन्दी नाटक का उद्भव एवं विकास	
1.2 हिंदी नाटक के तत्व	
अध्याय दो: भीष्म साहनी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	14-21
2.2 भीष्म साहनी की समग्र रचनाएं	
2.1भीष्म साहनी का जीवन परिचय	
2.3 भीष्म साहनी : नाटकों का संक्षिप्त परिचय	
अध्याय तीन : माधवी नाटक में स्त्री अस्मिता का स्वरूप	22-35
3.1 माधवी नाटक में नारी के शोषण का स्वरूप	
3.2 आधुनिक संदर्भ में माधवी की प्रासंगिकता	
अध्याय चार : माधवी में पौराणिकता और नवीनता का द्वंद	36-40
4.1 माधवी एक पौराणिक व्याख्यान:	
4.2 प्राचीनता में नवीनता	
4.3 पौराणिकता और आधुनिक संदर्भ में स्त्री मन का द्वंद	
अध्याय 5 : माधवी नाटक : शिल्पगत और भाषिक वैशिष्ट्य	41-47
5.1 शिल्पगत संरचना	
5.2 भाषिक वैशिष्ट्य	
5.3 माधवी का कथ्य	
उपसंहार	48-50
संदर्भ-सूची	51-52

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, **ऋतु कोसरिया** यह घोषणा करती हूँ कि **"माधवी नाटक में चित्रित स्त्री अस्मिता का स्वरूप"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने डॉ. मुरली मनोहर सिंह, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक:

Rosariya

प्रस्तुतकर्ता

ऋतु कोसरिया

स्नातक हिंदी, छठा सेमेस्टर

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

नामांकन सं. - GGV/21/00217

अनुक्रमांक - 21004117

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **ऋतु कोसरिया** ने मेरे मार्गदर्शन में **"माधवी नाटक में चित्रित स्त्री अस्मिता का स्वरूप"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध संबंधीसभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 14/05/2024

मार्गदर्शक

डॉ. मुरली मनोहर सिंह

सहायक प्राध्यापक (हिंदी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

'त्यागपत्र' में अभिव्यक्त स्त्री-चेतना

स्नातक हिन्दी (छठा सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र: 2023–24

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सौम्या ताम्रकार
स्नातक हिन्दी छठा सेमेस्टर
ना. सं. GGV/21/00221

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
घोषणा-पत्र	2
प्रमाण-पत्र	3
आभार	4
भूमिका	5-6
अध्याय एक : भारतीय समाज का समान्य परिचय	7-12
1.1 भारतीय समाज : सामान्य परिचय	
1.2 भारतीय समाज में स्त्री	
1.3 त्यागपत्र उपन्यास का सामान्य परिचय	
अध्याय दो : त्यागपत्र में अभिव्यक्त स्त्री चेतना	13-18
2.1 जैनेन्द्र की स्त्रीवादी दृष्टि	
2.2 मृणाल का चरित्र चित्रण	
2.3 स्त्रियों का समाज व समाज में स्त्री	
अध्याय तीन : त्यागपत्र में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना	19-25
3.1 स्त्री अधिकार और प्रतिरोधी चेतना	
3.2 पारिवारिक संबंधों का चित्रण: मृणाल और प्रमोद के संदर्भ में	
3.3 युगीन चेतना : मृणाल के संदर्भ में	
उपसंहार	26-27
संदर्भ सूची	28

Scanned with CamScanner

घोषणा–पत्र

मैं, सौम्या ताम्रकार यह घोषणा करती हूँ कि **"त्यागपत्र में अभिव्यक्त स्त्री चेतना"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने डॉ. अनीश कुमार, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधीसभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: बिलासपुर

दिनांक: 13/05/2024

सौम्या
13-5-24
प्रस्तुतकर्ता

सौम्या ताम्रकार
स्नातक हिंदी, छठा सेमेस्टर
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन सं. – GGV/23/00221
अनुक्रमांक – 21004121

Scanned with CamScanner

प्रमाण–पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **सौम्या ताम्रकार** ने मेरे मार्गदर्शन में **"त्याग पत्र में अभिव्यक्त स्त्री चेतना"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा–पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध संबंधीसभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान: बिलासपुर

दिनांक: 13/05/2024

मार्गदर्शक

डॉ. अनीश कुमार

सहायक प्राध्यापक (हिंदी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

निर्मल वर्मा की 'परिंदे' कहानी का विश्लेषण

स्नातक हिंदी (ऑनर्स) षष्ठ सेमेस्टर के रिपोर्ताज प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास वि.वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास वि.वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
अमन कुमार खटर्जी
स्नातक हिंदी (ऑनर्स) षष्ठ सेमेस्टर
नामांकन संख्या : GGV/21/00204

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं, अमन कुमार खटर्जी यह घोषणा करता हूँ कि "निर्मल वर्मा की 'परिंदे' कहानी का विश्लेषण" विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. अतुल कुमार सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर
दिनांक : 15-05-2024

प्रस्तुतकर्ता
अमन कुमार खटर्जी
स्नातक हिंदी (ऑनर्स) षष्ठ सेमेस्टर
नामांकन संख्या : GGV/21/00204
अनुक्रमांक : 21004104

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अमन कुमार खटर्जी ने मेरे मार्गदर्शन में "निर्मल वर्मा की 'परिंदे' कहानी का विश्लेषण" विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित कार्य है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर
दिनांक : 15.05.24

मार्गदर्शक
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास वि.वि., बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

निर्मल वर्मा की 'परिंदे' कहानी का विश्लेषण

अनुक्रमणिका

घोषणा-पत्र

प्रमाण-पत्र

आभार

अध्याय का नाम		पृष्ठ संख्या
अध्याय- 1		
	निर्मल वर्मा का व्यक्तित्व और कृतित्व	01 – 03
अध्याय- 2		
	परिंदे कहानी का नयापन और नयी कहानी आंदोलन	04 – 16
अध्याय- 3		
	परिंदे कहानी का शिल्पगत विवेचन	17 – 21
अध्याय- 4		
	परिंदे कहानी के शीर्षक की सार्थकता	22 – 22
अध्याय- 5		
	उपसंहार	23 – 24
	परिशिष्ट	25 – 25

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. आधार ग्रंथ
2. सहायक ग्रंथ

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

अनामिका की कविताओं में स्त्री अस्मिता का स्वर

(समकालीन कविता के सन्दर्भ में)

(स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
13-05-24
डॉ.गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक,हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
13-05-24
डॉ.गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक,हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
प्रीति पटेल
स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर
ना.सं - GGV/21/00214

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं प्रीति पटेल स्नातक (हिंदी) गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर की एक छात्रा हूँ | मैं यह घोषणा करती हूँ कि इस लघु शोध-प्रबंध के निर्देशक से प्राप्त निर्देशन के अतिरिक्त यह मेरे द्वारा किए गए शोध प्रबंध कार्य है तथा इसमें दिए गए जानकारी किसी भी विश्वविद्यालय या अन्य किसी परीक्षा में मेरे द्वारा प्रस्तुत नहीं किए गए हैं |

दिनांक :- 13-5-24

प्रीति पटेल

स्नातक हिंदी

अनुक्रमांक – 21004114

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रीति पटेल जो इस विश्विद्यालय में स्नातक हिंदी की एक नियमित छात्रा है , उसने पाठ्यक्रम में निर्धारित लघु शोध-प्रबंध शीर्षक "अनामिका की कविता में स्त्री अस्मिता का स्वर" (समकालीन कविता के सन्दर्भ में) मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है | मेरी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार यह उसकी मौलिक कृति है |

दिनांक :- 13-5-25

डॉ. गौरी त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष,हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर(छ.ग.)

Scanned with CamScanner

!! अनुक्रमणिका !!

प्रस्तावना 1-5

अध्याय -1

❖समकालीन कविता का स्वरूप और विस्तार 6-14

1.1 समकालीन कविता की अवधारणा

1.2 समकालीन कविता को प्रभावित करने वाली परिस्थितियाँ

1.3 समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

अध्याय -2

❖समकालीन प्रमुख स्त्री कवयित्री की कविताओं में स्त्री स्वर 15-24

2.1 चंद्रकला त्रिपाठी

2.2 कात्यायनी

2.3 गगन गिल

2.4 रंजना जयसवाल

2.5 निलेश रघुवंशी

अध्याय -3

❖अनामिका की कविताओं में स्त्री- अस्मिता का स्वर

3.1 स्त्री चेतना 25-38

3.2 3.2 स्त्री मुक्ति

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

नागार्जुन की काव्य चेतना

(स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक	विभागाध्यक्ष	प्रस्तुतकर्ता
डॉ. मुरलीमनोहर सिंह	डॉ.गौरी त्रिपाठी	आलोक कुमार साहू
सहायक प्राध्यापक,हिंदी विभाग	सह-प्राध्यापक,हिंदी विभाग	स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर	गु.घा.वि.वि. बिलासपुर	ना.सं.- GGV/21/00203

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ सं.
घोषणा-पत्र		i
प्रमाण-पत्र		ii
आभार		iii
भूमिका		01-03
प्रथम अध्याय -	नागार्जुन और उनका समय	04-11
द्वितीय अध्याय -	नागार्जुन के काव्य की अंतर्वस्तु	12-27
तृतीय अध्याय -	नागार्जुन के काव्य में संवेदना के रूप	28-40
चतुर्थ अध्याय -	नागार्जुन की कविताओं का कला पक्ष	41-52
उपसंहार		53-55
सन्दर्भ सूची		56-59

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, आलोक कुमार साहू यह घोषणा करता हूँ कि "नागार्जुन की काव्य चेतना" विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है , इसे अंशत: या पूर्णत: इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है | यह शोध कार्य मैंने डॉ. मुरलीमनोहर सिंह , सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है |

मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है |

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : 13/05/2024

भवदीय

आलोक कुमार साहू

स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)

नामांकन सं. - GGV/21/00203

अनुक्रमांक – 21004103

Scanned with CamScanner

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि आलोक कुमार साहू ने मेरे मार्गदर्शन में "नागार्जुन की काव्य चेतना" विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

मार्गदर्शक

13/05/2024

डॉ. मुरलीमनोहर सिंह

सहायक प्राध्यापक (हिंदी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रेमचंद की कहानियों में दलित जीवन दर्शन

"हिंदी विभाग गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) को समर्पित एक शोधपत्र"

डिग्री के लिए आंशिक पूर्णता के लिए।

सत्र 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. मुरलीमनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक

प्रस्तुतकर्ता
दिप्ति वैष्णव
स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर
ना. सं- GGV/21/00206

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर

(छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
1. घोषणा-पत्र	iii
2. प्रमाण-पत्र	iv
3. आभार	v
4. सारांश	1-2
4. प्रस्तावना	3-8
5. प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय	9-13
6. दलित चेतना का उद्भव और विकास	14-16
7. हिंदी साहित्य में आधुनिक दलित विमर्श	17-20
8. प्रेमचंद के कहानियो में दलित जीवन दर्शन	21-31
9. उपसंहार	32-34
10. संदर्भ सूची	35

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, दिप्ति वैष्णव यह घोषणा करती हूँ कि **प्रेमचंद की कहानियों में दलित जीवन दर्शन** विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. मुरलीमनोहर सिंह, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर
दिनांक : 19/05/24

भवदीय
दिप्ति वैष्णव
स्नातक हिंदी षष्ठ
सेमेस्टर
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर
अनुक्रमांक 21004106

Scanned with CamScanner

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि दिप्ति वैष्णव ने मेरे मार्गदर्शनमें **"प्रेमचंद की कहानियों में दलित जीवन दर्शन"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक

मार्गदर्शक
डॉ. मुरलीमनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रेमचंद का कथा लेखन और निर्मला उपन्यास

(स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र: 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ.राजेश मिश्रा (सहायक अध्यापक,)
हिंदी विभाग गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी (सह-प्राध्यापक),
हिंदी विभाग गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
अभिषेक कश्यप
स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर
ना.सं.GGV/21/00201

हिंदी विभाग

गुरुघासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय। बिलासपुर (छ. ग.)

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, अभिषेक कश्यप यह घोषणा करता हूँ कि प्रेमचंद का कथा लेखन और निर्मला उपन्यास विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ.राजेश मिश्रा सहायक अध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

,

,

,

भवदीय

अभिषेक कश्यप

स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग

नामांकन सं. GGV/21/00201 अनुक्रमांक21004101

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अभिषेक कश्यप ने मेरे मार्गदर्शन में " प्रेमचंद का कथा लेखन और निर्मला उपन्यास " विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

,

मार्गदर्शक

डॉ.राजेश मिश्रा (सहायक अध्यापक)

(हिंदी विभाग) गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं
घोषणा-पत्र	i
प्रमाण-पत्र	ii
आभार	iii
भूमिका	1
प्रथम अध्याय : प्रेमचंद : व्यक्तित्व और कृतित्व	02-11
द्वितीय अध्याय : निर्मला उपन्यास की कथावतु	12-24
तृतीय अध्याय: निर्मला उपन्यास का चरित्र विधान	25-29
चतुर्थ अध्याय: निर्मला उपन्यास का परिवेश और वातावरण	30-32
अध्याय पंचम: प्रमचन्द के कथा-लेखन का वैशिष्ट्य	32-35
उपसंहार	36
सन्दर्भ सूची	37

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

किसान जीवन के संघर्ष और प्रेमचंद की कहानियाँ

(संदर्भ:पूस की रात तथा अन्य कहानियाँ)

लघु शोध-प्रबंध

सत्र: 2023-2024

शुभम कुमार

मार्गदर्शक
डॉ राजेश मिश्र 13/5/24
सह प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु० घा० वि० वि०, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
शुभम कुमार
स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर
न० सं० GGV/21/00220

हिंदी विभाग

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं शुभम कुमार यह घोषणा करता हूं कि "किसान जीवन संघर्ष और प्रेमचंद की कहानियां" विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. राजेश मिश्र, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शक में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया हैं।

स्थानः- बिलासपुर

दिनांकः. 14-05-2024

भवदीय

शुभम कुमार

शुभम कुमार

स्त्रातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

नामांकन सं.- GGV/21/00220

अनुक्रमांक सं.- 21004120

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि शुभम कुमार ने मेरे मार्गदर्शक में "किसान जीवन संघर्ष और प्रेमचंद की कहानियां " विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : बिलासपुर।

दिनांक : 14-05-2024

मार्गदर्शक

13/05/24

डॉ. राजेश मिश्र

सहायक प्राध्यापक (हिंदी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

1 घोषणा-पत्र

2 प्रमाण-पत्र

3 आभार

4 प्रस्तावना

5 प्रथम अध्याय : प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व। दुसरा अध्याय : प्रेमचंद की कहनियों में वर्णित आदर्शवाद और यथार्थवाद का स्वरूप। तीसरा अध्यय प्रेमचंद की कहानियों में किसानों का जीवन संघर्ष। चौथा अध्याय : प्रेमचंद के कथा लेखन में संवेदना का स्वरूप।

6 उपसंहार

7 संदर्भ सूची

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

हिन्दी साहित्य का इतिहास

(स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023–24

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक,हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक,हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
अंकित कुमार तवर
स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर
ना. सं. – GGV/21/00205

हिन्दी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं, अंकित कुमार तवर यह घोषणा करता हूँ कि " हिन्दी साहित्य का इतिहास " विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. गौरी त्रिपाठी सह–प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

भवदीय

अंकित कुमार तवर
स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)

नामांकन सं. GGV/21/00205

अनुक्रमांक 21004105

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि अंकित कुमार तवर ने मेरे मार्गदर्शन में "" हिन्दी साहित्य का इतिहास " विषय पर अपना साहित्य संवाद पूरा किया है। यह साहित्य संवाद विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

मार्गदर्शक

डॉ. गौरी त्रिपाठी

सहायक प्राध्यापक(हिंदीविभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

हिंदी स हित्य क इतिहास

इकाई 1

परिचय

सुहह य नर्दी के प्रवाह की तरह होता है जो अनंत गहत मान होत है इस का कोई रुक वट नहीं है और न ही इसे कोई हवरा म द सकता है। समय के साथ साथ इसमें प रिवर्तन ानर आता रहता है और परिवर्तन के अनुरूप स हित्य क नइ प्रवृत्तिया तथा न दहश एं हम लती है। किसी भी सा हत्य के आहत ास का काल हवभा न करने को स ाहत धक ईपरक अणाली ईस सा हत्य म प्र वाहहत साहह य धारा ों, हहव। प्रवृहियों के अधार पर करना होता है।एक हवशेष काल म समाज की हवशेष प रहस्थशहतयां और हव ारधाराएं रहती ह तथा ईन्हीं के अनुरूप साहहहत्य क रचनाएं प्रस्तुत होती हैं। आचार्य शुक्ल जी ने माना है - 'जब प्रत्येक देश का साहह य वह की जनता की हचिवृहि का संचत प्रहतवहब होता तब यह हनहित है जनता की हचिवृहि के पर वतन के साथ साथ साह त्य के स्वरूप में भी प रवतन्त होता चलता है अहदर अंत तक आन्ही हचिवृहियों को परंपरा को रखते हुए साहहत्य परंपर के साथ ईनका सामंजस्य हदखाना ही साहहत्य का आहत ास कहल ता है इस इकाई में साहित्य के आहतहास की आवश्यकता ईस के महत्व और लेखन के हवहभन्न पक्षों को जानेंगे। आप यह भी जानेंगे कि हवहभन्न हवद्वानों ने हिंदी साहह य के आहतहास का काल हवभाजन हकस प्रकार दकया है आपकी जानकारी प्राप्त करेंगे। अहदकालीन गद्य साहहत्य, ईसका नामकरण और सीमांकन, अहदकालीन साहह य की हवहभन्न धारा ,हहन्दी साहहत्य के आहतहास लेखन की परंपरा, अहदकालीन साहहत्य की सामान्य प्रवृहियां और भाषा अहद की चचा ईस अध्याय की हवशेषता है। प्रत्येक कहव, साहहत्यकार, अलोचक या वचतक की अपनी एक अलग दृहि होती है। साहहत्येहतहास लेखक हर एक कहव, साहहत्यकार, अलोचक, ईनकी रचना, ईनकी भाषा, ईनकी समाज दृहि व आलोचना का अपनी एक अलग दृहि का हन रूपण करता है और ईसी के अधार पर ईनका प्रहत अपना मत प्रदर्शित करता है। आस के हलए ईसे सामग्री संकलन, काल हवभाजन, नामकरण, सीमांकन, मूल्यांकन जैसे मुख्य चरणों से गुजरना पड़ता है तब कहीं जाकर स हहत्य का आहतहास अहधक वैज्ञाहनक, तकसंगत और प्रामाहणक बन पड़ता है।

1.1 इकाई के उद्देश्य

प्रस्तुत इकाई को पढ़ने के पश्चात आप

- साहित्य और इतिहास के अंतर्संबंध को जान और समझ सकेंगे।
- आप यह समझ सकेंगे कि अ हतह स लेखन की पद्धतियां क्या-क्या है
- हहन्दी स हहत्य के आ तह स लेखन की परंपरा को हवस्तार से जाना जा सकेगा।
- अहदकालीन साहहत्य की पृष्ठभूहम को जानते हुए ईसके नामकरण और सीमांकन को समझा जा सकेगा।
- आदिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराओं का पररचय पा सकेंगे। रासो साहित्य परंपरा

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

अंधेर नगरी नाटक का अध्ययन

(स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक	विभागाध्यक्ष	प्रस्तुतकर्ता
डॉ. मुरली मनोहर सिंह	डॉ.गौरी त्रिपाठी	कबीर शंकर
सहायक प्राध्यापक,हिंदी विभाग	सह-प्राध्यापक,हिंदी विभाग	स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर
गु.घा.वि.वि. विलासपुर	गु.घा.वि.वि. विलासपुर	ना.सं.- GGV/21/00209

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय विलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं, कबीर शंकर यह घोषणा करता हूँ कि **"अंधेर नगरी नाटक का अध्ययन"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. मुरलीमनोहर सिंह, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

भवदीय

कबीर शंकर

स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)

नामांकन सं. GGV/21/00209

अनुक्रमांक 21004109

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि कबीर शंकर ने मेरे मार्गदर्शन में **"अंधेर नगरी नाटक का अध्ययन"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा ~~प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा~~ संग्रहित तथ्यों पर आधारित ~~तथा उसका मौलिक कार्य~~ है, ~~जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।~~

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

मार्गदर्शक

डॉ. मुरलीमनोहर सिंह

सहायक प्राध्यापक (हिंदी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अध्याय

1. भारतेंदु युग और भारतेंदु
2. भारतेंदु की रचनाशैली
3. अंधेर नगरी नाटक की कथावस्तु
4. अंधेर नगरी नाटक का उद्देश्य
5. अँधेर नगरी नाटक के पात्र और उनका चरित्र चित्रण
6. अंधेर नगरी नाटक में गीतों का सार्थकता
7. भारतेन्दुकृत 'अन्धेर नगरी' की भाषा-शैली
8. अँधेर नगरी नाटक की वर्तमान समय में प्रासंगिकता
9. निष्कर्ष

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

महाभोज में चित्रित सत्ता का दुष्चक्र और वर्तमान राजनीति

स्नातक हिन्दी (छठा सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सूरज बंजारा
स्नातक हिन्दी छठा सेमेस्टर
ना. सं. GGV/21/00224

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
घोषणा-पत्र	2
प्रमाण-पत्र	3
आभार	4
भूमिका	5-6
अध्याय एक : महाभोज में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना	7-20
1.1 महाभोज उपन्यास और भारतीय समाज का सामान्य परिचय	
1.2 भारतीय राजनीति का यथार्थ	
1.3 साहित्य में समाज का चित्रण	
अध्याय दो : महाभोज में अभिव्यक्त राजनीतिक चेतना	21-32
2.1 राजनीति का अपराधीकरण और सामंती व्यवस्था	
2.2 न्यायिक व्यवस्था पर राजनीति का दखल	
2.3 सरकारों का जनविरोधी चरित्र	
अध्याय तीन : महाभोज में अभिव्यक्त युगीन चेतना	33-43
3.1 प्रतिरोधी चेतना	
3.2 अवसरवादी राजनीति का बोलबाला	
3.3 महाभोज की भाषा व शिल्प-विधान	
उपसंहार	44-45
संदर्भ-सूची	46-47

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, सूरज कुमार बंजारा यह घोषणा करती हूँ कि **"महाभोज में चित्रित सत्ता का दुष्चक्र और वर्तमान राजनीति"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने डॉ. अनीश कुमार, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक: 13/05/24

S.K. banjara

प्रस्तुतकर्ता

सूरज कुमार बंजारा

स्नातक हिंदी, छठा सेमेस्टर

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

नामांकन सं. – GGV/23/00224

अनुक्रमांक – 21004124

Scanned with CamScanner

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **सूरज कुमार बंजारा** ने मेरे मार्गदर्शन में **"महाभोज में चित्रित सत्ता का दुष्चक्र और वर्तमान राजनीति"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक: 13/05/2024

मार्गदर्शक

डॉ. अनीश कुमार

सहायक प्राध्यापक (हिंदी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

एस. आर. हरनोट की कहानियों में पहाड़ी जन जीवन

बी. ए. हिंदी षष्टम सेमेस्टर के प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

सत्र : 2023 24

मार्गदर्शक 15.05.24
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह प्राध्यापक
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष 15.05.24
डॉ. गौरी त्रिपाठी

प्रस्तुतकर्ता

डॉ. गौरी त्रिपाठी सह प्राध्यापक हिंदी विभाग

इंदु देवी बी. ए. छठा सेमेस्टर

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं इंदु देवी यह घोषणा करती हूं कि "एस. आर. हरनोट की कहानियों में पहाड़ी जन जीवन" विषय पर प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे असत: या पूर्णत: इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ गौरी त्रिपाठी मेंम, सह प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : १५-५-२५

प्रस्तुतकर्ता

इंदु देवी

बी. ए. छठा सेमेस्टर

हिंदी विभाग

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि इंदु देवी ने मेरे मार्गदर्शन में एस आर हरनोट की कहानियों में पहाड़ी जन जीवन विषय पर अपना लघु शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

स्थान : बिलासपुर

मार्गदशक
डॉ. जीवी त्रिपाठी

दिनांक : 18/8/24

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

आधे अधुरे नाटक में वर्णित मध्यवर्गिय जीवन का स्वरूप

(स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023–24

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक,हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
13-05-24
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक,हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सुप्रिया कुम्हार
स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर
ना. सं. – GGV/21/00223

हिन्दी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि सुप्रिया कुम्हार ने मेरे मार्गदर्शन में " आधे अधूरे नाटक में वर्णित मध्यवर्गीय जीवन का स्वरूप " विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

मार्गदर्शक

डॉ. अखिलेश गुप्ता

सहायक प्राध्यापक(हिंदीविभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं, यह घोषणा करता हूँ कि " आधे अधूरे नाटक में वर्णित मध्यवर्गीय जीवन का स्वरूप " विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. अखिलेश गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

भवदीय

सुप्रिया कुम्हार

स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

(छ.ग)

नामांकन सं. GGV/21/00223

अनुक्रमांक 21004123

Scanned with CamScanner

आभार

प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध " आधे अधूरे नाटक में वर्णित मध्यवर्गीय जीवन का स्वरूप " विषय पर आधारित है। कक्षा में अक्सर साहित्य विषयों पर चर्चा के दौरान बार-बार मोहन राकेश की नाटक का ज़िक्र अध्यापकगण किया करते थे अतः उसी समय से मोहन राकेश की नाटक के प्रति एक अलग ही लगाव रहा । जब साहित्य संवाद के लिए विषय चयन करने की बात आई तब मैंने अपने मार्गदर्शक डॉ. अखिलेश गुप्ता से इस विषय पर चर्चा किया तो उन्होंने इस विषय पर कार्य करने की सलाह दी। इस कार्य हेतु मेरे शोध मार्गदर्शक अखिलेश गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के प्रति कृतज्ञ हूँ जिनके कुशल निर्देशन और परामर्श से यह कार्य पूर्ण हो सका। साथ ही विभाग के शिक्षकगण डॉ. गौरी त्रिपाठी, डॉ. रमेश कुमार गोहे, डॉ. राजेश मिश्र, डॉ. अखिलेश गुप्ता, डॉ. अनीश कुमार और डॉ. अतुल कुमार के परामर्श और सहयोग के बिना यह शोध कार्य संभव नहीं था। मैं मेरे सभी सहपाठी मित्रों का आभारी हूँ जिनके सहयोग से यह कार्य पूर्ण हो सका। अतः मैं उन सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मेरे इस कार्य को संपन्न कराने में परोक्ष-अपरोक्ष रूप से सहायता प्रदान की है।

सुप्रिया कुम्हार

स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

शीर्षक : आधे अधूरे नाटक में वर्णित मध्यवर्गीय जीवन का स्वरुप

संभावित अध्याय योजना-

अध्याय-1: मोहन राकेश : व्यक्तित्व और कृतित्व

(1) व्यक्तित्व

(2) कृतित्व

अध्याय-2: 'आधे-अधूरे 'नाटक की कथावस्तु एवं मध्यवर्ग

(1) कथावस्तु

(2) मध्यवर्ग का स्वरूप

(3) मध्यवर्ग की विशेषताएं

अध्याय-3: आधे अधूरे नाटक में स्त्रियों की सामाजिक स्थिति एवं चेतना का स्वरुप

(1) स्त्री की त्रासदी

(2) स्त्री चेतना का स्वरूप

अध्याय -4: मध्यवर्ग जीवन में परिवारिक विघटन की समस्या

(1) व्यक्ति एवं संबंध संवेदना

(2) पारिवारिक संबंधों में विघटन

अध्याय -5: उपसंहार

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रेमचंद के उपन्यासों में सामाजिक चेतना

स्नातक हिंदी (षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र: 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि , बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
विक्रमादित्य
बी.ए. ,षष्ठ सेमेस्टर ,हिंदी विभाग
ना.सं.GGV/21/00229

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि विक्रमादित्य ने मेरे मार्गदर्शन में 'प्रेमचन्द के उपन्यास में सामाजिक चेतना' विषय पर अपना लघु-शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उनका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान :-बिलासपुर

दिनांक :- 14.05.2024

मार्गदर्शक

14.05.2024

डॉ. अतुल कुमार

सहायक प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

घोषणा पत्र

मैं विक्रमादित्य यह घोषणा करता हूँ कि 'प्रेमचन्द के उपन्यास में सामाजिक चेतना' विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैने डॉ. अतुल कुमार, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध प्रबंध को पूरा करने में विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

vikramaditya

स्थान :- बिलासपुर

विद्यार्थी

दिनांक :- 014,05,2024

विक्रमादित्य

बी.ए.हिंदी षष्ठम सेमेस्टर, हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

नामांकन क्रमांक - GGV/21/00229

रोल नंबर – 21004129

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

घोषणा पत्र	i
प्रमाण पत्र	ii
आभार	iii
भूमिका।	iv
प्रस्तावना	1-2
प्रथम अध्याय –प्रेमचन्द का जीवन परिचय।	3-7
द्वितीय अध्याय –आभूषण के प्रति लालसा	8-10
तृतीय अध्याय – गबन उपन्यास की प्रमुख समस्या।	11-31
चतुर्थ अध्याय – जालपा का सुदृढ़ चरित्र।	32-37
उपसंहार।	35-37
संदर्भ ग्रंथ सूची।	38

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानियों में अभिव्यक्त प्रेम का समाजशास्त्रीय अध्ययन

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर के अंतर्गत बी. ए. हिन्दी (ऑनर्स) की उपाधि हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

शोध निर्देशक

डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग

शोधकर्ता

प्रिंस वानी
नामांकन क्र. : GGV/21/00215
बी. ए. हिन्दी (ऑनर्स)

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ

Scanned with CamScanner

घोषणा पत्र

मैं प्रिंस वानी नियमित छात्र स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) विभाग, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने निर्देशक के समक्ष स्वयं लघु शोध संभावित अध्याय योजना में मैंने **'चन्द्रधर शर्मा गुलेरी जी की कहानियों में अभिव्यक्त प्रेम का समाजशास्त्रीय अध्ययन'** तैयार किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक : 13/05/2024

प्रस्तुतकर्ता
प्रिंस वानी
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **प्रिंस वानी** गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में सत्र 2023-24 में स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) के नियमित छात्र हैं। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमान्तर्गत **"चन्द्रधर शर्मा गुलेरी जी की कहानियों में अभिव्यक्त प्रेम का समाजशास्त्रीय अध्ययन"** शीर्षक विषय पर लघु शोध योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक : 13/05/2024

शोध निर्देशक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

13-05-24
विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानियों में अभिव्यक्त प्रेम का समाजशास्त्रीय अध्ययन

घोषणा पत्र (i)

प्रमाण पत्र (ii)

प्रस्तावना (iii)

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय – 1 चंद्रधर शर्मा गुलेरी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	01-11
अध्याय – 2 चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानियों में आदर्शवाद एवं सामाजिकता का स्वरूप	12-17
अध्याय – 3 चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानियों में अभिव्यक्त प्रेम	18-22
अध्याय – 4 शिल्प योजना	23-31
अध्याय – 5 उपसंहार	32-36
परिशिष्ट	37-37
संदर्भ सूची	

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

कथाकार प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

(स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-2024

मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्र
प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

Sumit
प्रस्तुतकर्ता
सुमित कुमार ध्रुव
स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

SUBJECT..... PAGE..... DATE.....

प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

प्रेमचन्द का व्यक्तित्व

प्रेमचंद का व्यक्तित्व सहज, सरल परन्तु असाधारण था। उनके व्यक्तित्व की यह सहजता और असाधारण उनके साहित्य में भी परिलक्षित होती है। उन्होंने एक जगह लिखा है: "मेरा जीवन सपाट, समतल मैदान है, जिसमें कहीं-कहीं गड्ढे तो हैं, पर टीले, पर्वत, घने जंगल, गहरे घाटियाँ और खड्डों का स्थान नहीं है। जो सज्जन पहाड़ों की सैर के शौकीन हैं उन्हें तो यहाँ निराशा ही होगी।"

इस रूपक से प्रेमचन्द अपने जीवन की 'साधारणता' को रेखांकित करना चाहते हैं और इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। प्रेमचन्द का पूरा बाहरी व्यक्तित्व औपनिवेशिक शासन के एक आम मध्यम आदमी का व्यक्तित्व है, उस काल के अन्य साधारण जनों से जरा भी अलग नहीं। अमृत राय के शब्दों में, "प्रेमचन्द की सरलता सहज है। उसमें कुछ तो इस देश की पुरानी मिट्टी का संस्कार है, कुछ उसका नैसर्गिक शील है, संकोच है, कुछ उसकी गहरी जीवन दृष्टि है और कुछ उसका सच्चा आत्मगौरव है, जो किसी तरह आत्मदर्शन या विज्ञापन को उसके नजदीक घटिया बना देता है।"

नितान्त साधारण वेशभूषा, फटी हुई धोती और साधारण कुर्ता, अचानक सामने पड़ जाने पर कोई विश्वास ही न करे कि ये हिन्दी के प्रसिद्ध लेखक 'प्रेमचन्द' हैं. साधारण जनसमूह के बीच आ पड़ने

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

साहित्य और सिनेमा

(स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023–24

मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्रा 13/5/24
ज्ञायक प्राध्यापक,हिन्दी विभाग
घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक,हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
तेजभान
स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर
ना. सं. – GGV/21/00225

हिन्दी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं, तेजभान यह घोषणा करता हूँ कि " साहित्य और सिनेमा" विषय पर प्रस्तुत यह साहित्य संवाद मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने **डॉ.**राजेश मिश्रा सह–प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत साहित्य संवाद को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

भवदीय

तेजभान
स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)
नामांकन सं. GGV/21/00225
अनुक्रमांक 21004125

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि तेजभान ने मेरे मार्गदर्शन में "" साहित्य और सिनेमा " विषय पर अपना लघुशोध प्रबंध पूरा किया है। यह साहित्य संवाद विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : 13/05/24

मार्गदर्शक

डॉ. राजेश मिश्रा

सहायक प्राध्यापक(हिंदीविभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

प्रथम अध्याय

साहित्य और सिनेमा : स्वरूप एवं महत्व

1.0 भूमिका

1.1 साहित्य : स्वरूप विवेचन

1.1.1 साहित्य की परिभाषा

1.1.2 साहित्य के तत्व

1.1.3 साहित्य के भेद

1.2 सिनेमा : स्वरूप विवेचन

1.2.1 सिनेमा की परिभाषा

1.2.2 फिल्मों के प्रकार

1.2.2.1 फीचर फिल्म

1.2.2.2 फीचर फिल्म के प्रकार

1.2.2.3 हिंदी फिचर फिल्म के प्रकार

1.2.2.4 डॉक्यूमेंट्री फिल्म

1.2.2.5 टेलीफिल्म

1.2.2.6 एनिमेशन (गतिकला) और कार्टून फिल्म

1.2.2.7 विज्ञापन फिल्म

1.3 सिनेमा में अंतर्निहित तत्व

1.3.1 सिनेमा का तकनीकी पक्ष

1.3.1.1 फिल्म निर्माता (फिल्म प्रोड्यूसर)

1.3.1.2 फिल्म निर्देशक (फिल्म डायरेक्टर)

1.3.1.3 कला निर्देशक (आर्ट डायरेक्टर)

1.3.1.4 संगीत निर्देशक (म्युझिक डायरेक्टर)

Scanned with CamScanner

!! शृंखला की कड़ियाँ में स्त्री चेतना का स्वर !!

(स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ.गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक,हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ.गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक,हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
जयलक्ष्मी
स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर
ना.सं - GGV/21/00208

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा पत्र

मैं जयलक्ष्मी यह घोषणा करती हूं कि "शृंखला की कड़ियां में स्त्री चेतन का स्वर" विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. गौरी त्रिपाठी, सह~~प्रा~~ प्राध्यापिका, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास वि. वि. बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया। मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने हिंदी विभाग, गुरु घासीदास वि.वि. के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

Qsingh
जयलक्ष्मी

स्नातक हिंदी पष्ठ सेमेस्टर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि जयलक्ष्मी ने मेरे मार्गदर्शन में "शृंखला की कड़ियां में स्त्री चेतना का स्वर" विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध द्वारा प्रस्तुत - पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी नियमों का पालन किया गया है।

अतः मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करती हूं।

स्थान -बिलासपुर

दिनांक :

डॉ.गौरी त्रिपाठी

सहायक प्राध्यापक,हिंदी विभाग

गुरु घासीदास वि. वि. बिलासपुर (छ.ग.)

॥अनुक्रमणिका॥

	पृष्ठ संख्या
घोषणा-पत्र	(I)
प्रमाण-पत्र	(II)
आभार	(III)
भूमिका	01-03
अध्याय	04-38
प्रथम अध्याय:	04-09
स्त्री चेतना एवं महादेवी वर्मा	
(क) भारतीय स्त्री मुक्ति दिशा	
(ख) आधुनिक भारत में स्त्री मुक्ति दिशा	
द्वितीय अध्याय:	10-15
महादेवी वर्मा का स्त्री विषयक दृष्टिकोण	
(क) महादेवी वर्मा की दृष्टि में पुरुष और स्त्री	
(ख) पितृसत्तात्मक समाज स्वरूप	

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

आषाढ़ का एक दिन मंचीय दृष्टिकोण से कितना सफल और कितना असफल

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर के अंतर्गत बी. ए. हिन्दी (ऑनर्स) की उपाधि हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

शोध निर्देशक

डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग

शोधकर्ता

त्रिलोक वानी
नामांकन क्र. : GGV/21/00226
बी. ए. हिन्दी (ऑनर्स)

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं त्रिलोक वानी नियमित छात्र स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) विभाग, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने निर्देशक के समक्ष स्वयं लघु शोध संभावित अध्याय योजना में मैंने **'आषाढ़ का एक दिन मंचीय दृष्टिकोण से कितना सफल और कितना असफलअध्ययन'** तैयार किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक :

प्रस्तुतकर्ता
त्रिलोक वानी
स्नातक हिन्दी (ऑनर्स)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **त्रिलोक वानी** गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में सत्र 2023-24 में स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) के नियमित छात्र हैं। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमानुसार "**आषाढ़ का एक दिन मंचीय दृष्टिकोण से कितना सफल और कितना असफल अध्ययन**" शीर्षक विषय पर लघु शोध योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक : 13.05.2024

अतुल 13.05.2024
शोध निर्देशक
डॉ. अतुल कुमार
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

13.05.24
विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग

विषय सूची

क्र. सं. विवरण	पृष्ठ संख्या
प्रथम अध्याय	१-४
१.१ पृष्ठभूमि	१-३
१.२ शोध का शीर्षक	४
१.३ शोध का प्रयोजन	४
१.४ शोध का उद्देश्य	४
१.५ अध्ययन सीमा	४
द्वितीय अध्याय	५-२०
२.१ मोहन राकेश	५
२.२ जीवनी	५-८
२.३ रचनाएँ	८-१७
२.४ काल	१७-२०
तृतीय अध्याय	२१-३७
३.१ आषाढ़ का एक दिन : कथावस्तु	२१-२७
३.२ नाटक का उद्देश्य	२७-२८
३.३ पात्र योजना	२८-३१
३.४ पात्रों की संख्या	३२
३.५ भाषा-शिल्प	३२-३६
३.६ आषाढ़ का एक दिन मंचीय दृष्टिकोण से कितना सफल और कितना असफल	३६-३७

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

'यही सच है' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ

स्नातक हिन्दी (छठा सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र: 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
प्रज्ञा चंद्रा
स्नातक हिन्दी छठा सेमेस्टर
ना. सं. GGV/21/00212

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
घोषणा-पत्र	2
प्रमाण-पत्र	3
आभार	4
भूमिका	5-6
अध्याय एक : मन्नू भंडारी की कहानियों में भारतीय समाज	7-19
1.1 मन्नू भंडारी की कहानियों में भारतीय समाज	
1.2 कहानियों का समाज और समाज में स्त्री	
1.3 कहानी के पात्रों का सामान्य परिचय	
अध्याय दो : 'यही सच है' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ	20-29
2.1 कहानियों की केंद्रीय संवेदना	
2.2 प्रेम का यथार्थ चित्रण	
अध्याय तीन : 'यही सच है' में अभिव्यक्त प्रतिरोध के स्वर	30-59
3.1 प्रतिरोध की स्त्री दृष्टि	
3.2 सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिरोध	
उपसंहार	60-61
संदर्भ-सूची	62-63

घोषणा-पत्र

मैं, **प्रज्ञा चंद्रा** यह घोषणा करती हूँ कि **"'यही सच है' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने डॉ. अवीश कुमार, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर
दिनांक: 13/05/24

प्रस्तुतकर्ता
प्रज्ञा चंद्रा
स्नातक हिंदी, छठा सेमेस्टर
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन सं. – GGV/21/00212
अनुक्रमांक – 21004112

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **प्रज्ञा चंद्रा** ने मेरे मार्गदर्शन में **"'यही सच है' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध संबंधीसभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक: 13/05/2024

मार्गदर्शक

डॉ. अनीश कुमार

सहायक प्राध्यापक (हिंदी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

केदारनाथ सिंह की कविता में सामाजिक यथार्थ

(स्नातक हिंदी पष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ पष्ठ-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ.गौरी त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ.गौरी त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
प्रियंका
स्नातक हिंदी पष्ठ सेमेस्टर
GGV/21/00216

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

प्रथम अध्याय

आधुनिक हिंदी कविता का आरंभ

और कविता की सामाजिकता

द्वितीय अध्याय

कवि केदारनाथ सिंह का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

रहीम का काव्य

(स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023–24

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक,हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
13-05-24
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक,हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

मुस्कान साहू
प्रस्तुतकर्ता
मुस्कान साहू
स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर
ना. सं. – GGV/21/00211

हिन्दी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **मुस्कान साहू** ने मेरे मार्गदर्शन में " रहीम का काव्य " विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : 13/05/24

मार्गदर्शक

डॉ. अखिलेश गुप्ता

सहायक प्राध्यापक(हिंदीविभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा-पत्र

मैं, **मुस्कान साहू** यह घोषणा करता हूँ कि " रहीम का काव्य " विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. अखिलेश गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : 13/05/25

भवदीय मुस्कान साहू

मुस्कान साहू

स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)

नामांकन सं. GGV/21/00211

अनुक्रमांक 21004111

अनुक्रमणिका

1 उद्देश्य
2 प्रस्तावना
3 रहीम का जीवन परिचय
4 रहीम का समय और रचना संसार
5 रहीम के काव्य में लोक जीवन
6 रहीम का काव्य सौंदर्य
7 रहीम की कविता का वाचन और आस्वादन
8 जीवन का गहन अनुभव
9 सारांश
10 उपयोगी पुस्तकें

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

सुमित्रानंदन पंत के काव्य में समकालीन बोध

(स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

मार्गदर्शक
डॉ.गौरी त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ.गौरी त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
योगिता बैगा
स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर
ना.सं.- GGV/21/00232

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा-पत्र

मैं, **योगिता बैगा** यह घोषणा करती हूँ कि सुमित्रानंदन पंत के काव्य में समकालीन बोध विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है , इसे अंशत: या पूर्णत: इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने **डॉ. गौरी त्रिपाठी सहायक** प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक: 9/05/24

योगिता बैगा
स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)
नामांकन सं. - GGV/21/00232
अनुक्रमांक – 21004132

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि योगिता बैगा ने मेरे मार्गदर्शन में सुमित्रानंदन पंत के काव्य में समकालीन बोध विषय विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करती हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : 9/05/24

मार्गदर्शक

डॉ. गौरी त्रिपाठी

(हिंदी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ सं.
घोषणा-पत्र		i
प्रमाण-पत्र		ii
आभार		iii
भूमिका		1-3
प्रथम अध्याय -	सुमित्रा नंदन पंत का जीवन परिचय	4-12
द्वितीय अध्याय -	पंत युगीन परिस्थितियों का अध्ययन	13-20
तृतीय अध्याय -	पंत जी के रचना संसार का मूल्यांकन	21-30
चतुर्थ अध्याय -	सुमित्रा नंदन पंत के काव्य में समकालीन बोध	31-40
पंचम अध्याय -	पंत काव्य में समकालीन बोध	41- 43

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रेमचंद के उपन्यासों की कथा-भाषा

(स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023–24

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक,हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक,हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
योगेश
स्नातक हिन्दी षष्ठ सेमेस्टर
ना. सं. – GGV/21/00230

हिन्दी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि शोगेश ने मेरे मार्गदर्शन में " प्रेमचंद के उपन्यासों की कथा-भाषा " विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक : 13/05/2024

मार्गदर्शक

डॉ. अखिलेश गुप्ता

सहायक प्राध्यापक(हिंदीविभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा-पत्र

मैं, यह घोषणा करता हूँ कि प्रेमचंद के उपन्यासों की कथा-भाषा " विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. अखिलेश गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक :

भवदीय

योगेश

स्नातक हिंदी षष्ठ सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर
(छ.ग)

नामांकन सं. GGV/21/00230

अनुक्रमांक 21004130

भारतेंदु हरिश्चंद्र की सामाजिक चेतना

(स्नातक हिंदी षष्ठम सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

सत्र 2023- 24

मार्गदर्शक	विभागाध्यक्ष	प्रस्तुतकर्ता
डॉ. अतुल कुमार	13-05-24 डॉ. गौरी त्रिपाठी	Vasudev वासुदेव सिंह सोरठे
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग	सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग	स्नातक, हिंदी, षष्ठम सेमेस्टर
गु. घा. वि. वि बिलासपुर	गु. घा. वि.वि. बिलासपुर	ना. सं. GGV /21/00227

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ. ग.)

घोषणा - पत्र

मैं, वासुदेव सिंह सोरठे यह घोषणा करता हूँ कि 'भारतेंदु हरिश्चंद्र की सामाजिक चेतना' विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. अतुल सिंह के मार्गदर्शन में पूरा किया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है ।

स्थान - बिलासपुर

दिनांक-

विद्यार्थी
Vasudev
वासुदेव सिंह सोरठे

स्नातक, हिंदी, षष्ठम सेमेस्टर, हिंदी विभाग

गुरु घसीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)

नामांकन सं. - GGV /21/00227

अनुक्रमांक - 21004127

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि वासुदेव सिंह सोरठे ने मेरे मार्गदर्शन में 'भारतेंदु हरिश्चद्र की सामाजिक चेतना' विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूर्ण किया है। यह लघु शोध-पबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा सग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूँ ।

मार्गदर्शक

डॉ. अतुल कुमार 14.05.2024

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

गु. घा. वि .वि बिलासपुर

अनुक्रमणिका

घोषणा - पत्र

प्रमाण - पत्र

आभार

1 प्रस्तावना 1

2 भारतेंदु हरिश्चंद्र का जीवन परिचय 2

3 राष्ट्रीय नवजागरण चेतना में भारतेंदु जी का योगदान 3-4

4 राजनीतिक समस्या 5-6

5 आर्थिक समस्या 7-8

6 सामाजिक समस्या 9-11

6.1 छुआछूत और धार्मिक समस्या 12-15

6.2 जाति प्रथा की समस्या 16-18

6.3 विधवा विवाह निषेध तथा बाल विवाह की समस्या 19-22

6.4 अनमेल विवाह तथा बहु विवाह की समस्या 23-26

6.5 अंधविश्वास की समस्या 27-30

6.6 भारतीय जनता की आलसीपन की समस्या 31-35

उपसंहार 36

संदर्भ सूची

उदय प्रकाश की कहानियों में शहरी नरक एवं ग्रामीण संवेदना का यथार्थ

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर के अंतर्गत बी. ए. हिन्दी (ऑनर्स) की उपाधि हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023-24

शोध निर्देशक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष 13-05-24
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह.- प्राध्यापिका
हिंदी विभाग

शोधकर्ता
शशिकांत
नामांकन क्र. : GGV/21/00215
बी. ए. हिन्दी (ऑनर्स)

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

घोषणा पत्र

मैं शशिकांत नियमित छात्र स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) विभाग, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ घोषणा करता हूँ कि मैंने निर्देशक के समक्ष स्वयं लघु शोध संभावित अध्याय योजना में मैंने **'चन्द्रधर शर्मा गुलेरी जी की कहानियों में अभिव्यक्त प्रेम का समाजशास्त्रीय अध्ययन'** तैयार किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक : 13/05/2024

प्रस्तुतकर्ता
शशिकांत
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शशिकांत गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में सत्र 2023-24 में स्नातक हिन्दी (ऑनर्स) के नियमित छात्र हैं। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमानुसार **"चन्द्रधर शर्मा गुलेरी जी की कहानियों में अभिव्यक्त प्रेम का समाजशास्त्रीय अध्ययन"** शीर्षक विषय पर लघु शोध योजना मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक : 13/05/2024

शोध निर्देशक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
13-05-24
सह-प्राध्यापक एवं अध्यक्ष
हिंदी विभाग

गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग

उदय प्रकाश की कहानियों में शहरी नरक एवं ग्रामीण संवेदना का यथार्थ

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय : 1	**3 – 5**
उदय प्रकाश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	
1.1 उदय प्रकाश : व्यक्तित्व	
1.2 उदय प्रकाश : कृतित्व	
1.3 पुरस्कार एवं सम्मान	
1.4 उदय प्रकाश का जीवन परिचय	
अध्याय : 2	**6 – 10**
समकालीन हिंदी कहानी : उद्भव और विकास	
2.1 समकालीन हिन्दी कहानी : प्रवृत्तियाँ	
2.2 समकालीन हिंदी कहानी उत्पत्ति :	
2.3 समकालीन की परिभाषा	
2.4 समकालीन का आशय	
अध्याय : 3	**11 – 30**
शहरी नरक बनाम ग्रामीण संवेदना का यथार्थ	
3.1 उदय प्रकाश की कहानियों में वर्णित शहरी एवं ग्रामीण संवेदना	
3.2 उदय प्रकाश की कहानियों में वर्णित सामाजिक संवेदना	
3.3 उदय प्रकाश की कहानियों में राजनीतिक संवेदना	
अध्याय : 4	**31 – 34**
समकालीन हिंदी कहानी का शिल्प एवं भाषागत सौंदर्य	

चित्रलेखा में अभिव्यक्त सामाजिक समस्याएं

स्नातक हिन्दी (छठा सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2023–24

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह–प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
साक्षी यादव
स्नातक हिन्दी छठा सेमेस्टर
ना. सं. GGV/21/00218

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

घोषणा–पत्र

मैं, **साक्षी यादव** यह घोषणा करती हूँ कि **"चित्रलेखा उपन्यास में अभिव्यक्त सामाजिक समस्याएं"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने **डॉ. अनीश कुमार**, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधीसभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : बिलासपुर
दिनांक: 14/05/24

प्रस्तुतकर्ता

साक्षी यादव

स्नातक हिंदी, छठा सेमेस्टर
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन सं. – GGV/23/00218
अनुक्रमांक– 21004118

प्रमाण–पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **साक्षी यादव** ने मेरे मार्गदर्शन में **"चित्रलेखा उपन्यास में अभिव्यक्त सामाजिक समस्याएं"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा–पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक: 14/05/2024

मार्गदर्शक

डॉ. अनीश कुमार

सहायक प्राध्यापक (हिंदी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
घोषणा-पत्र	2
प्रमाण-पत्र	3
आभार	4
भूमिका	5-6
अध्याय एक - चित्रलेखा उपन्यास का परिचय	7-20
1.1 सामान्य परिचय	
1.2 भारतीय समाज : सामान्य परिचय	
1.3 पात्रों का परिचय	
अध्याय दो - चित्रलेखा में सामाजिक समस्याएं	21-27
2.1 स्त्री और विवाह की समस्या	
2.2 अवैध प्रेम की समस्या	
2.3 विधवा विवाह समस्या	
अध्याय तीन - चित्रलेखा में चित्रित जीवन-दर्शन	28-37
3.1 पाप-पुण्य की समस्या	
3.2 वैश्या की समस्या	
3.3 अन्य सामाजिक समस्या	
उपसंहार	38-39
संदर्भ-सूची	40-41